सांध्य दैनिक
4PM

अगर आप चाहते हैं कि कोई चीज अच्छे से हो तो उसे खुद कीजिये।
–नेपोलियन बोनापार्ट

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 117 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 3 जून, 2026

भारतीय टीम में नया स्पिन गेंदबाजी... 7 | परीक्षा प्रणाली से युवा आहत, सरकार... 3 | भाजपा सरकार महंगाई बढ़ाकर जनता... 2

दिल्ली का मालवीय नगर 'अग्निकांड'

21 जिंदगियां राख

सुबह घटी घटना, कई लोग घायल

» सवालों के धुएं में घिरी राजधानी

» जान बचाने को बिल्डिंग से कूदे लोग

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे बी एंड बी में लगी भीषण आग ने पूरे देश में कोहराम मचा दिया है। इस हादसे में 21 लोगों की मौत की खबर है। आग आज आज सुबह 8 बजकर 48 मिनट के करीब लगी और देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में पूरा होटल आ गया जिसमें होटल मे रूके 21 लोगों की जिंदगी छीन ली।

सबसे दर्दनाक बात यह है कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी नागरिक बताए जा रहे हैं जो भारत की राजधानी में मेहमान बनकर आए थे लेकिन वापस अपने घर नहीं लौट पाए। सुबह का वक्त था। लोग नींद में थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही मिनटों में पूरा परिसर मौत के जाल में बदल जाएगा। आग की लपटें उठीं धुआं फैला चीखें गूंजीं और फिर शुरू हुई जिंदगी बचाने की जंग। दमकल की गाड़ियां दौड़ीं। पुलिस पहुंची। बचाव दल ने दर्जनों लोगों को बाहर निकाला। 40 से ज्यादा लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कई लोग धुएं से हार गए कई आग की गिरफ्त से निकल नहीं सके। स्थानीय लोगों ने होटल में फंसे लोगों को बचाने के लिए गली में गद्दा बिछाया। होटल में केवल एक सीढ़ी थी। ऐसे में होटल में फंसे कई लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए बालकनी और छत से नीचे गद्दों पर छलांग लगा दी।

40 से ज्यादा लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया।

मरने वालों में अधिकांश विदेशी नागरिक बताए जा रहे हैं जो भारत की राजधानी में मेहमान बनकर आए थे

पीएम मोदी ने जताया दुख

इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार पीएम मोदी ने मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। साथ ही घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने बयान में कहा है कि दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष की ओर से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी जिंदगियां

अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि आग कैसे लगी। सवाल यह है कि क्या इस इमारत में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे? क्या अग्निशमन मानकों का पालन किया गया था? क्या आपातकालीन निकास रास्ते खुले थे? हर बड़े अग्निकांड के बाद यही सवाल उठते हैं। जांच बैठती है। रिपोर्ट बनती है। जिम्मेदारियां तय करने की बातें होती हैं। लेकिन कुछ समय बाद फाइलें ठंडी पड़ जाती हैं और फिर किसी दूसरे शहर, किसी दूसरी इमारत और किसी दूसरे हादसे में वही कहानी दोहराई जाती है। मालवीय नगर की यह आग सिर्फ 21 लोगों की मौत की खबर नहीं है। यह उन व्यवस्थागत खामियों की जलती हुई गवाही है जिनकी कीमत बार-बार आम लोग अपनी जान देकर चुकाते हैं। दिल्ली के आसमान में उठता धुआं अब सिर्फ एक इमारत के जलने का नहीं बल्कि उन सवालों का भी है जिनका जवाब सरकार को देना होगा। क्योंकि 21 मौतें एक हादसा नहीं व्यवस्था के सामने खड़ा एक कठोर आरोप हैं।

सियासी जगत ने शोक व्यक्त किया

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उपराष्ट्रपति कार्यालय ने लिखा है कि दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना में हुई जान-माल की क्षति अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि दुख की इस घड़ी में उन्हें संबल और साहस मिले। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और उनके कुशल-क्षेम के लिए भी प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा है कि दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना से मन अत्यंत व्यथित है। स्थानीय प्रशासन

राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। इस हृदयविदारक घटना में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं। ईश्वर शोकाकुल परिवारों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा है कि दिल्ली के मालवीयनगर में आग लगने से हुआ हादसा मन को व्यथित करने वाला है। जिन्होंने इस घटना में अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी शोक-संवेदनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करे। साथ ही मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भी शोक व्यक्त किया।

होटल में अवैध रूप से 25 कमरे बनाए गए थे

इस दुखद हादसे के साथ ही होटल के संचालन में गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। चौंकाने वाली जानकारी के अनुसार, होटल को दिल्ली सरकार से बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना के तहत लाइसेंस मिला था, जिसमें केवल छह कमरे बनाने की अनुमति थी। परंतु होटल में अवैध रूप से 25 कमरे बनाए गए थे, जिनमें से कुछ बेसमेंट में भी थे। इस अवैध निर्माण ने सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह इलाका साकेत स्थित मैक्स अस्पताल के करीब होने के कारण यहां कई होटल और रेस्टोरेंट हैं, जहां विदेशी नागरिक इलाज के लिए आते हैं। दिल्ली सरकार की बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना के तहत कॉमनवेल्थ गेम्स के समय इस क्षेत्र में 15 होटलों को अनुमति दी गई थी।

भाजपा सरकार महंगाई बढ़ाकर जनता की जेब काट रही : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- इस सत्ता से निराश लोग आत्मदाह को हो रहे मजबूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि बिजली के बिल के नाम पर भाजपा 27 के विधानसभा चुनाव के तिकड़मी खर्चों की व्यवस्था के लिए सरचार्ज (अधिभार) लगा रही है। भाजपा सरकार महंगाई बढ़ाकर जनता की जेब काट रही है। भाजपा की सरकार हर दिन महंगाई बढ़ा रही है।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा कभी डीजल, पेट्रोल, कभी बिजली और कभी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा रही है। भाजपा गरीब, किसान विरोधी है। 27 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी, तभी महंगाई से निजात मिलेगी। वहीं, सपा अध्यक्ष ने एक्स के माध्यम से कहा कि भाजपा सरकार से निराशा इतनी बढ़ गई है कि नाउम्मीद होकर पीड़ित लोग आत्मदाह के लिए बाध्य हो रहे हैं।

बीजेपी सत्ता के अहंकार में संवेदनहीन बनी

बीजेपी के सत्ता के अहंकार ने उन्हें इतना संवेदनहीन बना दिया है कि उन्हें किसी की पुकार, गुहार व चीत्कार तक सुनाई नहीं देती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आवास के सामने अपनी रोजी-रोटी के लिए जूझ रहे रोडवेज संविदाकर्मियों द्वारा आत्मदाह करने का प्रयास बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

सपा प्रमुख पर राजभर का निशाना

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से आतंकवाद रोधी दस्ते द्वारा एक पाक समर्थित संदिग्ध आतंकी की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है। उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने इस कार्रवाई के लिए एटीएस को बधाई दी है। साथ ही, उन्होंने इस मामले को लेकर सीधे तौर पर समाजवादी पार्टी (सपा) को कटघरे में खड़ा किया है। सुभासप के प्रमुख राजभर ने गिरफ्तारी को सपा से जोड़ते हुए आरोप लगाया, ''दुर्भाग्यपूर्ण है कि आतंकियों को उस क्षेत्र से पकड़ा जा रहा है जिसे सपा का गढ़ माना जाता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव वर्तमान में यहां से सांसद हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जिले की सभी 10 सीटें जीती थीं।

भाजपा सरकार के खिलाफ सपाइयों ने किया प्रदर्शन

सुल्तानपुर (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। लम्भुआ क्षेत्र में समाजवादी पार्टी द्वारा कमर तोड़ महंगाई, बेरोजगारी, डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस और बिजली के दामो में भारी पैमाने पर मूल्य वृद्धि तथा डीजल पेट्रोल और रसोई गैस की भारी किल्लत, अघोषित बिजली कटौती, किसानों को खाद बीज तथा डीजल न मिल पाना, नीट परीक्षा पेपर लीक, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़, ध्वस्त कानून व्यवस्था तथा भाजपा सरकार के जन विरोधी नीतियों के खिलाफ उपजिलाधिकारी कार्यालय पर पूर्व विधायक लम्भुआ संतोष पाण्डेय की अगुवाई में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव के साथ बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम सम्बोधित ज्ञापन देकर जन समस्याओं के निराकरण की मांग की। पूर्व विधायक लम्भुआ संतोष पाण्डेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। डीजल पेट्रोल रसोई गैस और बिजली के दामों में बेतहाशा वृद्धि कर प्रदेश की जनता पर महंगाई का बोझ लाद दिया गया। पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। यह सरकार किसानों को खाद बीज और डीजल तक उपलब्ध नहीं कर पा रही है।

सिर्फ इच्छाओं से देश नहीं बनता : वांगचुक

» कॉकरोच जनता पार्टी को मिला जलवायु कार्यकर्ता का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रसिद्ध जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने छह जून को दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यदि पांच जून तक स्थिति में कोई बदलाव नहीं होता है, तो वह सीजेपी सदस्यों के साथ जुड़ेंगे। वांगचुक के अनुसार, यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं है। यह लाखों युवाओं के जीवन और भारत के भविष्य पर गहरा प्रभाव डालती है।

वांगचुक ने बताया कि उन्होंने पहले लोगों से सीजेपी को भारतीय युवाओं की अभिव्यक्ति साबित करने को कहा था। इसके बाद दीपक ने उनसे संपर्क किया और कुछ जानकारी साझा की। दीपक से बात करके वांगचुक को लगा कि उनकी मंशा गलत नहीं है। वे देशप्रेमी हैं और देश सुधारने के लिए त्याग कर रहे हैं। दीपक छह जून को दिल्ली में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के लिए लोगों को बुला रहे हैं। वांगचुक के लिए यह मुद्दा नीट, सीयूईटी और सीबीएसई परीक्षाओं से भी बड़ा है। उन्होंने पिछले चार दशकों से शिक्षा के क्षेत्र में काम किया है। इंजीनियरिंग के बाद से ही वे सरकारी स्कूलों में शिक्षा सुधारने में लगे हैं। वांगचुक ने शिक्षा प्रणाली में बदलाव न देखकर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी नीतियां आ रही हैं, जैसे नई शिक्षा नीति। हालांकि, इन नीतियों का जमीन पर कितना अमल हो रहा है, यह देखकर वे मायूस होते हैं। इसी तरह, विकसित भारत अभियान भी है। वांगचुक ने सवाल उठाया कि यदि विद्यालयों की हालत ऐसी ही रही, तो क्या भारत 47 तक विकसित हो पाएगा। उन्होंने सरकार की मंशा को 10 से 10अंक दिए। लेकिन उनका मानना है कि अमल ही बरकत तय करेगा, सिर्फ इच्छाओं से देश नहीं बनता।

शिक्षा मंत्रियों के कार्यकाल पर सवाल

वांगचुक ने पिछले तीन या चार शिक्षा मंत्रियों के कार्यकाल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन को देखकर उन्हें नहीं लगता कि भारत विकसित हो पाएगा। वे इन्हीं कारणों से शिक्षा मंत्री का इस्तीफा चाहते हैं। वांगचुक ने स्वीकार किया कि नीट पेपर लीक होना लाखों विद्यार्थियों के जीवन से खिलवाड़ है। लेकिन उनके लिए आगे क्या होगा, यह सवाल अधिक महत्वपूर्ण है।

कागजी शेर हैं बिक्रम मजीठिया : सीएम मान

» सीएम के बयान पर बोलीं गनीव कौर -मजीठिया न भागे हैं, न भागेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के अंडरग्राउंड होने के मामले में सीएम भगवंत मान ने टिप्पणी की है। सीएम भगवंत सिंह मान ने उन पर तंज कसते हुए पूछा है कि अब वो मूछें नहीं दिख रही हैं, जिन पर ताव दिया जाता था। दरअसल, पुलिस कस्टडी से अपने समर्थक को छुड़वाने के आरोप में शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिक्रम सिंह मजीठिया पर केस दर्ज कर पंजाब पुलिस की टीमें उन्हें तलाश रही है।

मजीठिया पर तंज कसते हुए सीएम मान ने कहा कि अब उसकी मूंछें कहां गईं। उसे अब सामने आना चाहिए। मजीठिया माझे का जरनैल बनकर आगे आए मगर ये तो कागजी शेर हैं। इन्होंने लोगों को फंसाया और अब खुद फरार हो गया है। विदेश न भाग जाए, लिहाजा उसके खिलाफ

लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। वहीं सीएम के बयान पर मजीठिया की पत्नी और अकाली दल की विधायक गनीव कौर मजीठिया ने कहा कि उनके पति न तो भागे हैं और न ही भागेंगे। उन्होंने कहा कि वह अपनी कानूनी टीम के साथ संपर्क में हैं और इस मामले को अदालतों के ज़रिए आगे बढ़ाएंगे।

सीएम ने कहा कि लोग जान गए हैं कि गुंडागर्दी इनके व्यवहार में शामिल है। ये लोग पुलिस के काम में किस तरह बाधा डाल रहा है, सबके सामने आ चुका है मगर इस मामले में कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। सीएम के अनुसार पुलिस मजीठिया को तलाश रही है।

पूर्व सांसद रिजवान जहीर को हाईकोर्ट से मिली राहत

» गैंगस्टर एक्ट मामले में चार्जशीट और समन आदेश भी किए निरस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने बलरामपुर के पूर्व सपा सांसद रिजवान जहीर और उनके दामाद रमीज नेमत को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में दाखिल चार्जशीट, ट्रायल कोर्ट के संज्ञान और समन आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने कहा कि पुलिस और प्रशासन ने गैंगस्टर एक्ट लगाने से पहले कानून में तय जरूरी शर्तों का सही ढंग से पालन नहीं किया।

अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज होना ही गैंगस्टर एक्ट लगाने का पर्याप्त आधार नहीं हो सकता। तुलसीपुर थाने में 24 में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में पुलिस ने रमीज नेमत को गिरोह का सरगना और रिजवान जहीर को सदस्य बताया था। गैंग चार्ट में दो आपराधिक मामलों को आधार बनाया गया था। इनमें एक मुकदमे में दोनों के नाम थे, जबकि दूसरे हत्या के मामले में केवल रमीज

नेमत आरोपी थे।

सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस की कार्रवाई में एक महत्वपूर्ण विरोधाभास भी पाया। जिस थाना प्रभारी ने 7 जुलाई 24 को गैंग चार्ट तैयार किया था, उसी अधिकारी ने बाद में एफआईआर में लिखा कि उसे 20 जुलाई 24 को गश्त के दौरान गिरोह की जानकारी मिली। अदालत ने इसे प्रथम दृष्ट्या अविश्वसनीय माना।

हाईकोर्ट ने कहा कि गैंगस्टर एक्ट तभी लगाया जा सकता है, जब यह साबित हो कि आरोपी सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने या अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से अपराध कर रहे थे। मामले में ऐसे पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले। अदालत ने यह भी माना कि जांच अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिलाधिकारी और ट्रायल कोर्ट ने जरूरी कानूनी संतुष्टि दर्ज किए बिना कार्रवाई आगे बढ़ाई। इसी आधार पर कोर्ट ने चार्जशीट और समन आदेश रद्द कर दिए।

स्लॉटर हाउस और टेंडर अनियमितता पर कांग्रेस ने घेरा

जिन सवालों को नकारा, अब उन्हीं की जांच करवा रही भाजपा सरकार : जीतू पटवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भोपाल नगर निगम के कथित स्लॉटर हाउस और टेंडर अनियमितता मामले ने एक बार फिर प्रदेश की राजनीति गरमा दी है। कांग्रेस ने दावा किया है कि जिस मुद्दे को वह लंबे समय से उठाती रही, अब उसी मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) द्वारा साक्ष्य और बयान मांगे जाने से उसके आरोपों को बल मिला है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला बताया है। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अभिनव बरोलिया को संगठन और मीडिया विभाग की ओर से मामले की पड़ताल कर तथ्यों को सामने लाने की जिम्मेदारी दी गई थी। अब जब जांच एजेंसी स्वयं उनसे दस्तावेज और साक्ष्य मांग रही है तो यह साबित होता है कि कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस का कहना है कि ईओडब्ल्यू की कार्रवाई इस मामले की गंभीरता को दर्शाती है और अब जांच को निष्पक्ष तथा पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी वर्षों से गौमाता, सनातन धर्म और धार्मिक भावनाओं के मुद्दों पर राजनीति करती रही है, लेकिन जब जवाबदेही तय करने और कार्रवाई करने की बात आती है तो चुप्पी साध लेती है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में गौ संरक्षण को लेकर गंभीर है तो उसे केवल राजनीतिक बयानबाजी के बजाय ठोस कदम उठाने चाहिए। पटवारी ने यह भी कहा कि विभिन्न सामाजिक और धार्मिक वर्गों द्वारा समय-समय पर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की जाती रही है, लेकिन भाजपा इस दिशा में कोई स्पष्ट पहल नहीं करती।

परीक्षा प्रणाली से युवा आहत सरकार पर आएगी आफत

युवाओं में बढ़ रहा है आक्रोश, जगह-जगह विरोध

» नीट, सीबीएसई से लेकर सीयूइटी तक में खामियां ही खामियां

» विपक्ष ने मोदी सरकार पर उठाएल सवाल

» सरकार नए-नए तरीके बना रही पर सब फेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जिस तरह से देश में नीट, सीबीएसई, सीयूईटी से लेकर हर परीक्षा में धांधली की खबरें आ रही है वह मौजूदा सरकार की शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ अनदेखी को उजागर कर रही है। आए दिन जगह-जगह छात्रों द्वारा कमियों को किया जा रहा है। उसके खिलाफ आंदोलन हो रहे है। पर परीक्षा कराने वाली व्यवस्था सुधारने के नाम पर नई-नई योजना लागू करके अपने कर्तव्य का इतीश्री कर लेतें हैं पर खामियां आना बंद नही हो रही है। अब सियासी लोगों ने भी शिक्षा मंत्रालय व मोदी सरकार पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। भारी विरोध के बीच सरकार ने चेयरमैन व सचिव को फिलहाल हटाकर जांच कमेटी बना दी है।

कांग्रेस, सपा से लेकर शिवसेना यूबीटी तक ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। इसबीच युवा की शक्ति एकत्रित होकर सोशल मीडिया पर एक समूह बनाकर सवाल कर रही है। सरकार इतनी डर गई है लोगों की आवाज दबाने के लिए कोर्ट व कानून को प्रयोगा कर रही है। पर जागरूक जनता कह रही है सरकार को जवाबदेह तो होना पड़ेगा। वहीं सीबीएसई ने आखिरकार अपनी ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली में साइबर सुरक्षा खामी को स्वीकार कर लिया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शिक्षा मंत्री पर अनियमितताओं और अक्षमता का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग दोहराई, खासकर एडुटेक को संरक्षण देने के मामले में, जिसने लाखों छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है।

ऑनमार्क पोर्टल को सहायता प्रदान करने वाली कंपनी कोएम्प्ट एडुटेक को संरक्षण दे रही सरकार : जयराम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की इस बात के लिए आलोचना की कि उसने स्वीकार किया है कि उसकी ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली में सुरक्षा खामी आई है। सीबीएसई ने घोषणा की कि वह ऑनमार्क पोर्टल में खामियों की निगरानी कर रहा है और सिस्टम को मजबूत करने के लिए साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की एक टीम तैनात की है। X पर एक पोस्ट में, रमेश ने अगस्त 25 में जारी किए गए प्रस्ताव अनुरोध में अनियमितताओं को उजागर किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा इस मामले को संभालने के तरीके पर सवाल उठाते हुए उन्हें अहंकार और अक्षमता का प्रतीक बताया। उन्होंने सरकार पर ऑनमार्क पोर्टल को सहायता प्रदान करने वाली कंपनी कोएम्प्ट एडुटेक को संरक्षण देने का आरोप लगाया। रमेश ने लिखा कि अपने ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम में साइबर सुरक्षा खामियों को हफ्तों तक नकारने के बाद, सीबीएसई ने आखिरकार स्वीकार किया है कि सिस्टम में सेंध लग गई है। लेकिन वह अपने ठेकेदार के खिलाफ क्या कार्रवाई करने की योजना बना रहा है? कुछ खास नहीं। उन्होंने आगे कहा कि अगस्त 25 के अपने आरएफपी व सीबीएसई ने उन विक्रेताओं को ब्लैकलिस्ट करने का

अधिकार अपने पास रखा था जो प्रभावी ढंग से काम करने में असमर्थ थे। सितंबर में, सीबीएसई ने एक शुद्धिपत्र जारी किया, जिससे इन विक्रेताओं को ब्लैकलिस्ट करने का उसका अपना अधिकार वापस ले लिया गया। यह कोएम्प्ट को बचाने का एक समझ से परे, सरकार समर्थित प्रयास है, और यह कोएम्प्ट को आधिकारिक तौर पर अनुबंध मिलने से पहले ही शुरू हो गया था।

देश का युवा आज सबसे ज्यादा परेशान : जूली

» राजस्थान सरकार पर बरसे नेता प्रतिपक्ष

राजस्थान के पुष्कर में आयोजित कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में राज्य विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्र और राज्य की बीजेपी सरकार पर बेरोजगारी को लेकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश का युवा आज सबसे ज्यादा परेशान है। हाथ में डिग्री होने के बावजूद रोजगार नहीं मिल रहा। जूली ने आरोप लगाया कि सरकारें युवाओं के भविष्य के साथ क्रूर मजाक कर रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने जिलाध्यक्षों को इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाने की नसीहत दी। टीकाराम जूली ने कहा कि देश में हर साल लाखों युवा पढ़ाई पूरी कर नौकरी की उम्मीद लेकर निकलते हैं, लेकिन उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा। उन्होंने अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 26 रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हर साल करीब 50 लाख ग्रेजुएट निकलते हैं, जबकि नौकरी केवल 17 लाख युवाओं को ही मिलती है। उन्होंने दावा किया कि मार्च 26 तक देश में युवा बेरोजगारी दर 15.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि महिला युवाओं में यह आंकड़ा 18 प्रतिशत है। जूली ने कहा कि 14 में अच्छे दिन का सपना दिखाया गया था, लेकिन आज हालात यह हैं कि पढ़े-लिखे युवा छोटे-मोटे काम करने को विवश हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज देश में पीजी चायवाला, ग्रेजुएट वड़ा पाव और इंजीनियर उबर ड्राइवर जैसी तस्वीरें आम हो चुकी हैं, जो युवाओं की डिग्रियों और सपनों का अपमान है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर जिलों में कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए। बीजेपी सरकार की आर्थिक नीतियों पर हमला बोलते हुए जूली ने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी ने छोटे व्यापारियों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सेक्टर की कमर तोड़ दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी के बाद लाखों नौकरियां खत्म हुई और जटिल जीएसटी व्यवस्था के कारण करोड़ों लोगों का रोजगार प्रभावित हुआ। जूली ने कहा कि छोटे दुकानदारों और व्यापारियों को कमजोर कर बड़े कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाया गया। नेता प्रतिपक्ष जूली ने केंद्र सरकार पर सरकारी विभागों में भर्तियां नहीं करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रेलवे, आयकर विभाग और सीएजी समेत कई विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं, लेकिन सरकार भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि रेलवे की भर्ती के लिए करोड़ों युवाओं से आवेदन शुल्क लिया जाता है, लेकिन परीक्षाएं समय पर नहीं होतीं। राजस्थान की पूर्व कांग्रेस सरकार का जिक्र करते हुए जूली ने कहा कि कांग्रेस ने युवाओं और गरीबों के लिए 'राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी कानून 23' लागू किया था। इसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी के साथ बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं के लिए न्यूनतम पेंशन का प्रावधान किया गया था. उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान बीजेपी सरकार इस कानून को प्रभावी तरीके से लागू नहीं कर रही है।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

रमेश ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की कांग्रेस पार्टी की मांग को दोहराते हुए कहा कि देश को कब तक मंत्री प्रधान को झेलना पड़ेगा, जिनके मंत्रालय ने निविदाओं में ऐसी अकल्पनीय अनियमितताओं को अंजाम दिया है, जिनकी वजह से लाखों छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित हुआ है? मंत्री प्रधान अहंकार और अक्षमता की साक्षात मूर्ति हैं, जो राष्ट्र के प्रति किसी भी जिम्मेदारी से ऊपर अपने राजनीतिक एजेंडे को रखते हैं। प्रधानमंत्री को न तो स्वयं और न ही अपने सहयोगियों को ईमानदारी या नैतिकता के किसी मानक पर खरा उतरते देखा गया है। लेकिन मंत्री प्रधान को अपने राजधर्म का पालन करते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए।

सीबीएसई ने 12वीं के पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का वादा सिर्फ वादा बना

सीबीएसई ने 12वीं के पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का वादा करते हुए 1 जून से पोर्टल खोलने की घोषणा की थी, लेकिन यह तकनीकी खराबी के चलते अंडर मेंटेनेंस है। इस देरी से छात्र सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे हैं, जिससे सीबीएसई परिणाम संबंधित प्रक्रिया में भ्रम और रोष बढ़ रहा है। बोर्ड ने हेल्पलाइन और ईमेल के माध्यम से संपर्क करने का विकल्प दिया है। छात्रों को अभी भी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 26 के परिणामों और ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली से संबंधित समस्याओं का

सामना करना पड़ रहा है, और अब पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया भी अभी तक शुरू नहीं हुई है। जिन छात्रों ने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करना चाहा था, वे 1 जून का इंतजार कर रहे थे, लेकिन सुबह से ही पोर्टल अंडर मेंटेनेंस दिखा रहा है। इस वजह से छात्र अपने आवेदन जमा नहीं कर पा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा ऑडिट जारी होने के कारण मूल्यांकन पोर्टल के दोपहर तक चालू होने की उम्मीद है; हालांकि, वेबसाइट अभी तक खुली नहीं है। सीबीएसई द्वारा माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर भी अपडेट जारी करने की उम्मीद है। बोर्ड ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य उन छात्रों के लिए एक पारदर्शी और त्रुटिरहित प्रक्रिया सुनिश्चित करना है जो अंकों के सत्यापन या अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करना चाहते हैं। यह पहल मूल्यांकन प्रणाली में उच्चतम मानकों और प्रोटोकॉल को बनाए रखने के लिए सीबीएसई के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हिन्दी पत्रकारिता को फिर से दिखानी होगी अपनी ताकत

"हिंदी पत्रकारिता से जुड़े लोगों को सत्ता से बैठे लोगों से सवाल पूछना होगा जो जनता से जुड़ी हुई हैं क्योंकि हिन्दी पत्राकारिता से आज भी करोड़ों लोग जुड़े हैं और इनकी बात को सुनते है। वर्तमान में अब अपनी जिम्मेदारी हिंदी पत्रकारों को निभानी होगी।

30 मई को हिन्दी पत्रकारिता की शुरुआत हुई थी। जब इसको शुरू किया गया था इसका उद्देश्य सत्ता की मनमानी के खिलाफ आवाज उठाना था। पर आज 2026 में यह हासिए पर आ गई। आज इस मीडिया ने जैसे सरकारों की हां में हां मिलाना सीख लिया है। खासतौर से मेन स्ट्रीम मीडिया। हालांकि अब भी कुछ स्वतंत्र व निष्पक्ष पत्रकार इसको बचाए रखें हैं पर समय-समय पर उन्हें भी यातनाएं झेलनी पड़ती हैं। पर अब समय आ गया है जबकि हम प्रेस फ्रीडम इनडेक्स में छोटे-छोटे देशों से पीछे हैं तो उनसे बेहतर होना होगा। हिंदी पत्रकारिता से जुड़े लोगों को सत्ता से बैठे लोगों से सवाल पूछना होगा जो जनता से जुड़ी हुई हैं क्योंकि हिन्दी पत्राकारिता से आज भी करोड़ों लोग जुड़े हैं और इनकी बात को सुनते है। वर्तमान में अब अपनी जिम्मेदारी हिंदी पत्रकारों को निभानी होगी। इसकी शुरुआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'।

उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक सरगर्मियों में तेजी लाएंगे चुनाव परिणाम

ज्योति मल्होत्रा

पंजाब में होली देर से आई है- या फिर जल्दी, यह इस पर निर्भर करता है कि आप इसे किस नजरिए से देखते हैं, जब पाते हैं कि सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) राज्य में नगर निगम चुनावों में अपनी शानदार जीत का जश्न रंगों, ढोल और मिठाइयों के साथ मना रही है। कांग्रेस काफी पीछे, दूसरे स्थान पर है, और निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन भाजपा और अकाली दल, दोनों से बेहतर रहा है। चूंकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केवल ढिल्लों को पद संभाले अभी चंद घंटे ही हुए हैं, इसलिए पार्टी के प्रदर्शन पर कोई फैसला सुनाना शायद सही न हो- ढिल्लों के अपने ही इलाके, बरनाला में उसका पूरा सफाया हो गया है। लेकिन दिलचस्प बात यह कि मौजूदा विधानसभा में भाजपा के दो विधायकों में से एक, मुकेरियां से जंगी लाल महाजन ने-जैसा कि मेरी सहयोगी दीपकमल कौर ने लिखा है- खुलकर अकाली दल के उम्मीदवार के लिए प्रचार किया (वो जीत गया है), जबकि दोनों पार्टियों के बीच कोई गठबंधन नहीं है।

अगर यह चुनाव वाकई इस साल के आखिर में या अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक पूर्वाभ्यास है, तो यह मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है। कुछ लोग कहेंगे कि भाजपा ने नेतृत्व परिवर्तन करने में शायद बहुत ज्यादा देर कर दी- इतनी देर कि दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत संधू को पंजाब में प्रस्तुत करने का मौका हाथ से निकल गया, और केवल ढिल्लों को कमान संभालने में भी काफी देर हो गई। जाहिर है, इस पद के लिए काफी लॉबिंग हुई, क्योंकि सुनील जाखड़ ने एक साल पहले ही ऐलान कर दिया था कि उन्हें अध्यक्षी नहीं निभानी। लेकिन पार्टी को इस बात से जरूर राहत महसूस हुई होगी कि उसने मोहाली की एक नगर परिषद, 'नया गांव' में शानदार जीत हासिल की है। यह इलाका चंडीगढ़ से बिल्कुल सटा हुआ है-और चंडीगढ़ गोल्फ क्लब से भी ज्यादा दूर नहीं, वह जो अपने ऊंचे-नीचे मैदान युक्त गोल्फ कोर्स, बार और पार्किंग के साथ शहर के रईसों की पसंदीदा जगह है- जबकि 'आप'और कांग्रेस, दोनों ही, सिर्फ एक-एक सीट तक सिमटकर रह गई हैं।

इस चुनाव ने 'आप' और भाजपा, दोनों के भविष्य की दिशा को कमोबेश साफ कर दिया है- 'आप'अपनी जमीन बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी, जबकि भाजपा राज्य में अपनी पैठ बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। अब यह साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ही 'आप' का चेहरा होंगे। दिल्ली का राष्ट्रीय नेतृत्व, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया कमान तो संभालेगा, लेकिन मजबूती से पर्दे के पीछे रहकर। हर कोई बखूबी वाकिफ है कि पंजाबी लोग सबसे अलग होते हैं, न रुकने वाले बगावती, और अपनी किस्मत की बागडोर खुद अपने हाथों में लेना पसंद करते हैं। इसके अलावा, भगवंत मान पर उनके अपने ही गढ़ धुरी में लगे सभी आरोप-मसलन, गुटबाजी, नशे का मुद्दा, शहर का साफ-सुथरा न होना-परिणामों पर बेअसर साबित हुए हैं। जहां तक भाजपा की बात है, यह भी उतना ही साफ है कि आने वाले चुनावों के प्रबंधन में आरएसएस एक अहम भूमिका निभाएगी। उसके कार्यकर्ता और 'पन्ना प्रमुख' पहले से ही जमीनी स्तर पर पूरी लगन से काम में जुटे हुए हैं। केवल ढिल्लों का प्रदर्शन कैसा भी रहे-उनकी घोषित सकल संपत्ति 200 से 229 करोड़ रुपये के बीच है, और दिल्ली के वसंत विहार, चंडीगढ़ के सेक्टर 9, दुबई और स्पेन के मारबेला में उनके घर हैं- इस बात का एक साफ पैमाना होगा कि आरएसएस ने राज्य में कितनी कड़ी मेहनत झोंकी है। सवाल यह है कि कांग्रेस आखिर करना क्या चाहती है? इस कॉलम में अक्सर इस पुरानी और बड़ी पार्टी के आपस में लड़ते गुटों की आलोचना की जाती रही है। ये सभी गुट सिर्फ दिल्ली हाईकमान की खुशामद करने की होड़ में लगे रहते हैं- जोकि वास्तव में गत सप्ताह कर्नाटक में सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्वक करवाने में व्यस्त रहा। वहां निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बिना किसी हील-हुज्जत के सत्ता की बागडोर अपने नंबर दो नेता डी.के. शिवकुमार को सौंप दी है। निश्चित रूप से, पंजाब में भी बहुत से कांग्रेसी उम्मीद भरी नजरों से दिल्ली हाईकमान से आस लगाएंगे कि वही कुशल दांव-पेच यहां भी दोहराए।

असल में, अगर कर्नाटक के अनुभव को पैमाना माना जाए, तो ऐसा लगता है कि पार्टी ने 2021 में खुद को पहुंचाए नुकसान से सबक सीखा है; उस समय पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को विधानसभा चुनाव से एक साल से भी कम समय पहले बदल दिया गया था। दिल्ली स्थित कांग्रेस आलाकमान में अफवाहों का बाजार गर्म है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह केरल में मिली सफलता से उत्साह पाकर और तमिलनाडु में अपने हस्तक्षेप से प्रभावित होकर, आने वाले महीनों में पंजाब में, हिमाचल प्रदेश में (जहां पर 2027 के आखिर में चुनाव होने हैं) और 2028 के आखिर में राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा दांव खेलने को तैयार है।

पत्रकारिता का सर्वकालिक कर्मपथ प्रदर्शक उदन्त मार्तंड

विजय श्रीधर

हिंदी पत्रकारिता बिरादरी के लिए आज गर्व और गौरव का दिन है। यह दौ सौ साल का कालखंड हमारे पूर्वजों के अदम्य साहस, संघर्ष, सामाजिक बदलावों की प्रतिबद्धता और स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान का गवाह है। नई पीढ़ी की पत्रकार बिरादरी के लिए यह आत्ममंथन का समय भी है ताकि आने वाली चुनौतियों का मुकाबला किया जा सके। आज से दो सौ साल पहले 30 मई, 1826 को पं. युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से 'उदन्त मार्तण्ड' यानी 'समाचार-सूर्य' शुरू किया था। वही हिन्दी का पहला समाचारपत्र था। इसी दिन को हर साल हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाते हैं। आज 30 मई, 2026 को 200 साल पूरे हो रहे हैं। इस समाचार पत्र की आदि प्रतिज्ञा में सर्वकालिक पत्रकारिता का लक्ष्य निहित है।

जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था— 'हिन्दुस्तानियों के हित के हेत...!' इस प्रतिज्ञा का गहरे निहितार्थ यही है कि वक्त बदले पर पत्रकारिता का कर्म-पथ यही रहेगा। निश्चिय ही यदि पत्रकारिता के इतिहास का प्रामाणिक शोधन न होता तो 'उदन्त मार्तण्ड' गुमनामी के कालखंड में ही रह जाता। साल 1931 तक 'बनारस अखबार' 1845 को ही हिंदी का पहला पत्र माना जाता था। इतिहास के शोधन के क्रम में ब्रजेन्द्र नाथ बंधोपाध्याय को राजा राधाकान्त देव के पुस्तकालय में 'उदन्त मार्तण्ड' की फाइल मिली। इससे प्रमाणित हुआ कि 30 मई, 1826 का 'उदन्त मार्तण्ड' ही पहला हिन्दी पत्र है। बनारसी दास चतुर्वेदी ने 'विशाल भारत' 1931 में यह शोध छापा और तब ही देश की पत्रकार बिरादरी को इस महत्वपूर्ण तथ्य का पता चला। जैसा कि हमारे पूर्वज निजी प्रचार से दूर रहते थे, वैसे ही ऋषिकर्म करने वाले पं. युगलकिशोर जी का कोई फोटो इस समाचारपत्र के दस्तावेजों में नहीं मिला। इतिहास शोधन में भी पं. युगलकिशोर शुक्ल का कोई चित्र नहीं मिला है। केवल अंग्रेजी में उनका हस्ताक्षर मिला है।

पर गूगल ने उनके स्थान पर आचार्य शिवपूजन सहाय का चित्र लगा रखा है। पं. युगलकिशोर शुक्ल के प्रथम प्रयास में भी प्रतिरोध के स्वर नजर आए। निस्संदेह, हिन्दी पत्रकारिता मूलत: प्रतिरोध की पत्रकारिता रही है। 14 मार्च, 1878 को लार्ड लिटन ने 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' लाते समय 'मालवा अखबार' और बांग्ला पत्रों का हवाला दिया। लिटन ने कहा 'हर एक दरबार में और मध्यभारत के हर एक बाजार में समाचार पढ़ा जाता है।' जनवरी, 1900 में 'सरस्वती' और 'छत्तीसगढ़ मित्र' का प्रकाशन हुआ। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भाषा, साहित्य और पत्रकारिता को संस्कारित किया। माधवराव सप्रे को हिन्दी नवजागरण का पुरोधा माना जाता है। माखनलाल चतुर्वेदी ने कहा कि आज की हिन्दी भाषा का तेज द्विवेदी जी और सप्रे जी का दिया हुआ है। हमारे पूर्वजों में सच को सामने लाने का जज्बा था। इसके लिये वे सब कुछ दांव पर लगाने को तत्पर रहते थे। खोजी पत्रकारिता आपातकाल के बाद नहीं, पहले से थी। 'प्रताप' के 1915-16 के अंकों में निलहे गोरों के अत्याचार की रिपोर्ट छपी। मुंशीगंज और रायबरेली कांड की रिपोर्ट भी 'प्रताप' में छपी। 'कर्मवीर' संपादक माखनलाल चतुर्वेदी खुद घटनास्थल पर गए थे। सार्थक परिभाषा 'जिसे छापने से रोका जाए, वही खबर है। बाकी सब प्रचार है।'

ऐसा नहीं था कि हिंदी पत्रकारिता सिर्फ स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तक ही सक्रिय रही। हिंदी पत्रकारिता ने सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास, कूप-मंडूकता के खिलाफ भी बिगुल बजाया। 'प्रताप' 9-11-1913 में गणेश शंकर विद्यार्थी ने लिखा कि 'हम प्राचीन सभ्यता की प्रशंसा करेंगे पर सामाजिक कुरीतियों को भी उजागर करेंगे, क्योंकि मिथ्याभिमान जातियों के सर्वनाश का कारण होता है।' विद्यार्थी जी मानते थे कि पत्रकार की समाज के प्रति जिम्मेदारी है। वह प्रमाण और परिणाम का विचार रखकर लिखे और अपनी गति-मति में सदैव शुद्ध रहे। हिंदी के प्रबुद्ध संपादकों ने हिन्दी की शब्द संपदा को समृद्ध किया। वर्ष 1920 में 'आज' दैनिक शुरू हुआ। संपादक बाबूराव विष्णु पराडकर ने हिन्दी पत्रकारिता का मानक रूप तय किया। वर्तनी की एकरूपता, अंग्रेजी शब्दों के लिए हिन्दी शब्द गढ़े मिस्टर-श्री, मिसेज-श्रीमती, ब्लैकआउट-अंधकूप, इंटरनेशनल-अंतर्राष्ट्रीय, डेमोक्रेसी-लोकतंत्र, प्राइम मिनिस्टर-प्रधानमंत्री आदि। भारतीय चिंतन में आध्यात्मिक धारा की प्रबलता के चलते कालांतर आध्यात्मिक पत्रकारिता का भी विस्तार हुआ। अक्टूबर, 1926 में गीता प्रेस से 'कल्याण' का प्रकाशन आरंभ हुआ।

संपादक हनुमान प्रसाद पोद्दार ने आध्यात्मिक पत्रकारिता का मानक रचा। 'कल्याण' के दो नियम आज भी प्रासंगिक हैं। पहला प्रतिमाह निश्चित तिथि को प्रकाशन हो और दूसरा, अंक में अशुद्धि हो तो उसी अंक में शुद्धिपत्र का प्रकाशन किया जाए। हमारे पूर्वजों ने पत्रकारिता के ऊंचे मूल्यों व गरिमा के लिए दायित्वों का भी उल्लेख किया। वर्ष 1927 में माखनलाल चतुर्वेदी ने कहा कि समाचारपत्र बड़ी ताकत हैं तो उनके सिर जोखिम भी कम नहीं। पर्वत की जो शिखरें हिम से चमकती हैं, उन्हें ऊंची होना पड़ता है। निश्चित रूप से नीर-क्षीर विवेक पत्रकारिता का अपरिहार्य गुण माना जाता है। 'समालोचक' पत्रिका के मुख्य पृष्ठ पर श्लोक छपता था— 'नीर-क्षीर विवेके हंसाऽलस्यं त्वमेव तनुषे विश्वस्मिन् धुनाऽन्य: कुलव्रतं पालयिष्यतिक: ॥' अर्थ- हे हंस! जल-दूध अलग करने में यदि तू आलस्य करेगा तो संसार में कुलव्रत कौन निभाएगा? जनाकांक्षाओं से जुड़ी किसी भी खबर को समाचार पत्र में पर्याप्त स्थान दिया जाना जरूरी होता है।

बिना मेकअप के 5 मिनट में कैसे पाएं नेचुरल ब्यूटी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर रोज घंटों मेकअप करना न तो संभव है और न ही त्वचा के लिए अच्छा है। यही कारण है कि आज के समय में नो-मेकअप लुक या क्लीन गर्ल एस्थेटिक सबसे बड़ा ट्रेंड बनकर उभर रहा है। इस लुक का असली राज स्किन को मेकअप से ढंकना नहीं, बल्कि उसे अंदर से हेल्दी और चमकदार बनाना है। नेचुरल ब्यूटी पाने के लिए आपको महंगे कॉस्मेटिक्स के बजाय सही स्किनकेयर रूटीन और स्मार्ट ग्रूमिंग की जरूरत होती है। मात्र 5 मिनट के इस रूटीन से आप न सिर्फ फ्रेश दिख सकती हैं, बल्कि आपकी त्वचा भी खुलकर सांस ले पाती है। सेलिब्रिटी स्किन एक्सपर्ट्स के अनुसार नेचुरल चमक पाने के लिए हाइड्रेशन और ब्लड सर्कुलेशन पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। अगर आप भी चाहती हैं कि लोग आपकी खूबसूरती की तारीफ करें और उन्हें पता भी न चले कि आपने क्या लगाया है, तो ये काम आपके लिए कारगर साबित हो सकते हैं।

स्किन प्रेप और हाइड्रेशन का जादू

नेचुरल चमक की शुरुआत एक साफ और मॉइस्चराइज्ड चेहरे से होती है, सबसे पहले एक माइल्ड क्लींजर से चेहरा धोएं। चेहरे पर हयालूरोनिक एसिड या विटामिन-सी वाला ग्लो सीरम लगाएं और उसके ऊपर एक अच्छा मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन जरूर लगाएं। सनस्क्रीन न सिर्फ सुरक्षा देता है, बल्कि चेहरे पर एक हेल्दी शीन भी छोड़ता है, जो बिना हाइलाइटर के भी आपके पर चमक लाता है।

नेचुरल फ्लश और लिप केयर

नेचुरल फ्लश और लिप केयर के लिए सबसे प्रभावी तरीका प्राकृतिक सामग्रियों और सही रूटीन का संयोजन है। जहां लिप केयर होंठों को हाइड्रेटेड और स्वस्थ रखने पर केंद्रित है, वहीं नेचुरल फ्लश गालों और होंठों पर एक प्राकृतिक, स्वस्थ चमक लाने के बारे में है। अपने गालों पर गुलाबी रंगत लाने के लिए आप बीटरूट टिंट या अपनी उंगलियों से हल्का सा गालों को थपथपा सकते हैं, जिससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। होंठों के लिए किसी भारी लिपस्टिक के बजाय टिन्टेड लिप बाम या लिप ऑयल का चुनाव करें जो होंठों को नमी और हल्की चमक दे। चेहरे को एक फेस मिस्ट से सेट करें, जो आपकी त्वचा को दिन भर हाइड्रेटेड और ओस जैसा बनाए रखेगा। मृत त्वचा हटाने के लिए चीनी और शहद का मिश्रण सबसे अच्छा है। इसे एक मिनट तक होंठों पर रगड़ें और धो लें। रात को सोने से पहले वैसलीन, नारियल तेल या लिप बटर लगाएं ताकि नमी लॉक रहे।

आत्मविश्वास ही असली चमक

नेचुरल ब्यूटी का मतलब केवल बाहरी चमक नहीं, बल्कि अपने असली रूप को स्वीकार करना है। 2026 में ब्यूटी स्टैंडर्ड्स बदल रहे हैं और अब लोग परफेक्ट दिखने के बजाय रियल दिखने को प्राथमिकता दे रहे हैं। सही खान-पान, पर्याप्त पानी और अच्छी नींद इस 5 मिनट के रूटीन के पूरक हैं। जब आप अंदर से खुश और स्वस्थ महसूस करती हैं, तो वह चमक आपके चेहरे पर अपने आप दिखाई देती है। मेकअप एक चुनाव हो सकता है, लेकिन आपकी प्राकृतिक सुंदरता आपकी पहचान है।

आंखों और भौहों को दें सही शेप

आंखों और भौहों को सही शेप देने के लिए चेहरे की बनावट को समझना सबसे जरूरी है। सही शेप न केवल आपकी आंखों को उभारता है, बल्कि पूरे चेहरे को एक संतुलित और आकर्षक लुक देता है। क्योंकि चेहरे की बनावट में भौहों का बहुत बड़ा रोल होता है, एक स्पूली ब्रश से अपनी भौहों को ऊपर की ओर कॉम्ब करें ताकि वे भरी हुई दिखें। पलकों को केवल आईलैश कर्लर से कर्ल कर लें, इससे आपकी आंखें तुरंत खुली और जागृत नजर आएंगी। यदि जरूरत हो, तो आंखों के नीचे के काले घेरों को हल्के कंसीलर से डैब करें, लेकिन उसे रगड़ें नहीं ताकि लुक नेचुरल बना रहे।

हंसना मना है

टीचर ने गधे के सामने 1 दारु की और 1 पानी की बाल्टी रखी, गधा पानी पी गया। टीचर: तुमने इससे क्या सिखा? स्टूडेंट : जो दारु नहीं पिता वह गधा होता है!

एक आदमी मेडिकल शॉप पर जहर लेने गया। आदमी: एक जहर की बोतल देना दुकानदार: बिना पर्ची के जहर नहीं मिल सकता। आदमी ने शादी का कार्ड दिखाया.. दुकानदार: बस कर पगले, रुलाएगा क्या? बड़ी बोतल दूं या छोटी?

हमको यूं पागल बनाना छोड दो, बेवजह हर बात पे सताना छोड़ दो, तुम्हारी खुशबू अलग ही होती है मेरे दोस्त, बर्तन वाले साबुन से नहाना छोड़ दो।

एक लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड से पूछा, तुम्हें खुशी मिलती है जब मैं रोती हूं? उसने जवाब दिया, नहीं, मुझे उस वक्त खुशी मिलती है, जब तुम मुझे रोते हुए फोटो भेजती हो!

पिता बेटे पर गुस्सा करते हुए- एक काम ढंग से नहीं होता तुझसे, तुम्हें पुदीना लाने के लिए कहा था और तुम ये धनिया ले आए, तुझ जैसे बेवकूफ को तो घर से निकाल देना चाहिए बेटा- पापा चलो इकठे ही चलते है। पिता- क्यों? बेटा- मम्मी कह रही थी कि ये मेथी है।

कहानी | सेवा भाव ना भूलें, क्षमाशील बनें

एक राजा ने 10 खूंखार जंगली कुत्ते पाल रखे थे। जिनका इस्तेमाल वह लोगों को उनके द्वारा की गयी गलतियों पर मौत की सजा देने के लिए करता था एक बार राजा के एक पुराने मंत्री से कोई गलती हो गयी। राजा ने उसे शिकारी कुत्तों के सम्मुख फिकवाने का आदेश दे डाला। सजा दिए जाने से पूर्व राजा ने मंत्री से उसकी आखिरी इच्छा पूछी। राजन ! मैंने आज्ञाकारी सेवक के रूप में आपकी 10 सालों से सेवा की है, मैं सजा पाने से पहले आपसे 10 दिनों की मोहलत चाहता हूं। मंत्री ने राजा से निवेदन किया राजा ने उसकी बात मान ली। दस दिन बाद राजा के सैनिक मंत्री को पकड़ कर लाते हैं और राजा का इशारा पाते ही उसे खूंखार कुत्तों के सामने फेंक देते हैं। परंतु कुत्ते मंत्री पर टूट पड़ने की बाजए अपनी पूंछ हिला-हिला कर मंत्री के ऊपर कूदने लगते हैं और प्यार से उसके पैर चाटने लगते हैं। राजा आश्चर्य से यह सब देख रहा था उसने मन ही मन सोचा कि आखिर इन खूंखार कुत्तों को क्या हो गया है? वे इस तरह क्यों व्यवहार कर रहे हैं? आखिरकार राजा से रहा नहीं गया उसने मंत्री से पुछा, ये क्या हो रहा है, ये कुत्ते तुम्हें काटने की बजाये तुम्हारे साथ खेल क्यों रहे हैं? राजन! मैंने आप से जो 10 दिनों की मोहलत ली थी, उसका एक-एक क्षण मैं इन बेजुबानो की सेवा करने में लगा दिया। मैं रोज इन कुत्तों को नहलाता, खाना खिलाता व हर तरह से उनका ध्यान रखता। ये कुत्ते खूंखार और जंगली होकर भी मेरे दस दिन की सेवा नहीं भुला पा रहे हैं परंतु खेद है कि आप प्रजा के पालक हो कर भी मेरी 10 वर्षों की स्वामीभक्ति भूल गए और मेरी एक छोटी सी त्रुटि पर इतनी बड़ी सजा सुन दी! राजा को अपनी भूल का एहसास हो चुका था, उसने तत्काल मंत्री को आजाद करने का हुक्म दिया और आगे से ऐसी गलती ना करने की सौगंध ली।

कहानी से शिक्षा- कई बार इस राजा की तरह हम भी किसी की बरसों की अच्छाई को उसके एक पल की बुराई के आगे भुला देते हैं। यह कहानी हमें क्षमाशील होना सिखाती है, ये हमें सबक देती है कि हम किसी की हजार अच्छाइयों को उसकी एक बुराई के सामने छोटा ना होने दें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

तुला

जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शत्रुभय रहेगा।

वृषभ

रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृश्चिक

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन

नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

धनु

वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा।

कर्क

मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

सिंह

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा।

कुम्भ

सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है।

कन्या

सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

मीन

व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें।

2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 3

बॉलीवुड | गपशप

मलयालम फिल्म दृश्यम 3 रिलीज हो चुकी है। यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच खबर है कि अजय देवगन की अदाकारी वाली हिंदी फिल्म दृश्यम 3 की शूटिंग पूरी हो चुकी है। बताया जाता है कि इस फिल्म पर अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। खबर यह भी है कि यह दो अक्तूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की राह पर है। 123 तेलुगु के मुताबिक हिंदी वर्जन दृश्यम 3 ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर शूटिंग पूरी कर ली है।

पिंकविला के साथ हाल ही में हुई बातचीत में फिल्म के निर्माता अभिषेक पाठक ने पुष्टि की कि दृश्यम 3 के हिंदी वर्जन की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अभी सिर्फ कुछ पैचवर्क (बचा हुआ काम) चल रहा है। फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है।

हिंदी वर्जन के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा, फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। लोग अभी मलयालम दृश्यम में जो देख रहे हैं, वह अलग है। हिंदी दर्शकों के लिए, मैंने एक बिल्कुल अलग ट्रैक बनाया है जो यहां बहुत अच्छा काम करेगा। मलयालम वर्जन में पारिवारिक ड्रामा पर ज्यादा जोर दिया गया है, जबकि हिंदी वर्जन में पारिवारिक थ्रिलर है। जब ट्रेलर रिलीज होगा, तो दर्शकों को पता चलेगा कि दोनों फिल्में एक-दूसरे से कितनी अलग हैं।

दृश्यम फेंचाइजी में दिखाया गया है कि एक महिला पुलिस अधिकारी का बेटा लापता हो जाता है। वह महिला विजय का परिवार तबाह करने की धमकी देती है। विजय अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता। सात साल बाद, इसके सीक्वल में, सालगांवकर परिवार ने अपने अतीत की दर्दनाक घटनाओं से आगे बढ़ने की कोशिश की है। तभी कुछ ऐसा होता है कि जो लंबे समय से दबे हुए गहरे राज हैं, उनके उजागर होने का खतरा पैदा होता है।

फिल्म 'पेद्दी' के प्री-रिलीज़ इवेंट में जान्हवी कपूर के तेलुगु भाषण ने जीता फैंस का दिल

जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वो राम चरण के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। रिलीज से पहले विजयवाड़ा में फिल्म का एक प्री-रिलीज इवेंट किया गया। इसमें जान्हवी कपूर और राम चरण समेत फिल्म की प्रमुख कास्ट और क्रू मौजूद रहे। इवेंट के दौरान जान्हवी कपूर के तेलुगु भाषा में दिए गए स्पीच ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। वहां मौजूद लोगों को जान्हवी की तेलुगु काफी पसंद आई। आपका प्यार हमें प्रेरित करता है फिल्म में अचियम्मा का किरदार निभाने वाली जाह्नवी ने दर्शकों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और फिल्म के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पेद्दी टीम के लिए एक खास फिल्म है और इसे अपनी पहचान के प्रति सच्चे रहने और जीवन में उद्देश्य खोजने की कहानी बताया।

अपने तेलुगु स्पीच में जान्हवी ने कहा, 'आप लोगों के प्यार से मैं सचमुच बहुत खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि पेद्दी देखने के बाद भी आप अपना यही प्यार दिखाते रहेंगे। यही प्यार हमें हर दिन कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। हम जो कुछ भी करते हैं, वह आपके लिए करते हैं। आपका एंटरटेनमेंट करने और बड़ी स्क्रीन पर कहानियां दिखाने के लिए करते हैं। पेद्दी हम सभी के लिए एक बहुत ही खास फिल्म है। इसका सीधा मैसेज ये ही है, अपनी पहचान के प्रति सच्चे रहना और अपने जीवन का उद्देश्य खोजना। एक्ट्रेस ने अपने स्पीच में आगे कहा कि जहां तक मेरी बात है, मेरा उद्देश्य आपके लिए अभिनय करना, आपका मनोरंजन करना और फिल्में बनाना है।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी मां मुझे चप्पल से पीटते हुए स्कूल ले जाती थीं : बॉबी देओल

बॉबी देओल और सनी देओल अपने माता-पिता, प्रकाश कौर और धर्मेंद्र को अपने जीवन का सहारा मानते हैं। एक छोटे से गांव से आकर उन्होंने मुंबई जैसे व्यस्त शहर में दिवंगत सुपरस्टार धर्मेंद्र के साथ अपना जीवन बनाया। घर में वे दोनों भाइयों को अनुशासन में रखने वाली सख्त मां थीं। हाल ही में आप की अदालत में बॉबी ने खुलासा किया कि स्कूल में ठीक से पढ़ाई न करने पर उनकी मां उन्हें पीटती थीं। जब उनसे पूछा गया कि वे पढ़ाई में अच्छे थे, तो उन्होंने जवाब दिया, बिल्कुल नहीं, और आगे कहा, स्कूल न जाने पर मुझे बहुत मार पड़ती थी। मुझे स्कूल बिल्कुल पसंद नहीं था। और मेरी समस्या यह थी कि बचपन में मैं ज्यादातर हिंदी बोलता था। चूंकि स्कूल अंग्रेजी माध्यम का था, इसलिए मेरी मां को स्कूल से शिकायतें मिलती थीं कि अगर आपका बेटा हिंदी बोलता है तो उसे हिंदी मीडियम में डाल दें। बॉबी देओल ने स्कूल जाते और घर लौटते समय अपनी मां से मिली मार-पिटाई को याद किया। उन्होंने बताया, उस शिकायत के बाद मुझे बहुत डांट पड़ी। फिर मैंने हिंदी भूलने का फैसला किया और अंग्रेजी सीखना शुरू कर दिया, इतना कि अब मैं ज्यादातर अंग्रेजी में ही सोचता हूं। इसलिए कभी-कभी, सुबह-सुबह, सौभाग्य से मेरा घर पास ही था, तो मेरी मां मुझे पीटते हुए स्कूल ले जाती थीं। 2024 में द ग्रेट इंडियन कपिल शो के एक एपिसोड के दौरान सनी से पूछा गया कि क्या उनके पिता धर्मेंद्र ने कभी उन्हें मारा था। एक्टर ने जवाब दिया, पापा ने तो कभी भी नहीं मारा। उनकी आंखें भी उतनी ही पावरफुल हैं। उनका तो 20 किलो का हाथ है। मम्मी से तो बहुत मार खाई है। उन्होंने मुझे सीधा किया। मुझे चोट लगती थी और मम्मी चप्पल से पीटती थीं, खून बहने लगता था।

यहां पानी से भी ज्यादा मशहूर है शराब, हर घर में मिलता है पौव्वा, शराब बनाने की कला को देखने में रुचि रखते हैं पर्यटक

भारत अपने विविध रीति-रिवाजों, संस्कृति और अनोखी परंपराओं के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। देश के अलग-अलग राज्यों में ऐसी कई परंपराएं देखने को मिलती हैं, जो लोगों को हैरान कर देती हैं। उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर का एक गांव भी अपनी एक खास परंपरा के कारण चर्चा में रहता है। यहां के कई परिवार पीढ़ियों से पारंपरिक तरीके से स्थानीय शराब तैयार करते आ रहे हैं, जो गांव की पहचान का अहम हिस्सा बन चुकी है। मणिपुर की राजधानी इम्फाल से कुछ दूरी पर स्थित आंद्रो गांव अपनी सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक शराब निर्माण की कला के लिए प्रसिद्ध है। यहां कई परिवार घरों में ही स्थानीय पेय तैयार करते हैं। यह केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही परंपरा मानी जाती है। गांव में आने वाले पर्यटक भी इस अनोखी संस्कृति को करीब से देखने में रुचि दिखाते हैं। इसी तरह सेकमाई गांव भी अपने पारंपरिक पेय पदार्थों के लिए जाना जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां खास विधि से तैयार की जाने वाली चावल आधारित शराब लंबे समय से क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रही है। गांव के कई परिवारों की आजीविका भी इसी परंपरा से जुड़ी हुई है। यही कारण है कि यहां स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले पेय पदार्थों की काफी मांग रहती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह परंपरा केवल आर्थिक गतिविधि नहीं है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। शादी-विवाह, त्योहारों और अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों में इन पारंपरिक पेयों का विशेष महत्व माना जाता है। कई परिवारों में इसके निर्माण की तकनीक पीढ़ियों से चली आ रही है। हालांकि, बदलते समय के साथ आधुनिक जीवनशैली और सरकारी नियमों का प्रभाव भी इन गांवों पर पड़ा है। इसके बावजूद स्थानीय लोग अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। यही वजह है कि आंद्रो और सेकमाई जैसे गांव आज भी अपनी अनोखी परंपराओं के कारण देशभर में चर्चा का विषय बने रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे गांव भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हैं। यहां आने वाले पर्यटकों को न केवल स्थानीय जीवनशैली देखने का अवसर मिलता है, बल्कि वे उन परंपराओं को भी समझ पाते हैं, जो सदियों से लोगों के जीवन का हिस्सा रही हैं। यही कारण है कि मणिपुर के ये गांव भारतीय लोक संस्कृति और विरासत के अनोखे उदाहरण माने जाते हैं।

अजब-गजब | यहां होता है दो दुनिया का अनोखा मिलन!

एक कदम पर बदल जाता है माहौल जंगल से रेगिस्तान पहुंच जाते हैं लोग

पृथ्वी पर कई ऐसी जगहें हैं जो देखकर लगता है कि प्रकृति ने अपना जादू दिखा दिया हो। ब्राजील के मरान्हाओ राज्य में स्थित लेनसोइस मारान्हेंस ऐसी ही एक अनोखी जगह है जहां जंगल और रेगिस्तान का मिलन होता है। यहां एक कदम आगे बढ़ते ही पूरा माहौल बदल जाता है। सफेद रेत के विशाल टीले एक तरफ और हरे-भरे वनस्पति वाले क्षेत्र दूसरी तरफ। यह देखकर पर्यटक दंग रह जाते हैं। यह जगह इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। पर्यटक यहां आकर वीडियो और फोटो शेयर कर रहे हैं। इस जगह को देखकर ऐसा लगता है कि दो दुनिया का मिलन हो रहा है।

इस जगह एक तरफ लंबे-लंबे सफेद रेतीले टीले जो रेगिस्तान की याद दिलाते हैं, वहीं कुछ कदम दूर हरे पेड़, झाड़ियां और हरी-भरी वनस्पति नजर आते हैं। ऐसा लगता है मानो दो अलग-अलग दुनिया एक ही जगह पर बसी हुई हों। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अद्भुत दृश्य महासागर की लहरों, लगातार चलने वाली हवाओं और मौसमी बारिश के कारण बनता है। समुद्र से आने वाली रेत हवाओं के साथ उड़कर टीले बनाती है। बारिश के मौसम में इन टीलों के बीच मीठे पानी के आकर्षक लैगून (तालाब) बन जाते हैं जो नीले रंग के आकाश की तरह चमकते हैं। लेकिन सूखे मौसम में रेत फिर से हावी हो जाती है। यह जगह सूखे रेगिस्तान जैसी नहीं है। यहां की रेत समुद्री है और पूरी तरह सूखी नहीं रहती। यही वजह है कि हरी वनस्पति भी आसानी से बढ़ पाती है। रेस्टिंगा वन, मैंग्रोव और हिलते हुए टीले एक साथ इस इलाके को अनोखा बनाते हैं।

भारतीय पर्यटक भी अब यहां पहुंच रहे हैं। एक तरफ रेगिस्तान जैसा नजारा, दूसरी तरफ जंगल। लगता है जैसे फोटोशॉप किया हो लेकिन यह पूरी तरह रियल है। लेनसोइस मारान्हेंस राष्ट्रीय उद्यान का हिस्सा है। यहां साल भर पर्यटक आते रहते हैं लेकिन बारिश के बाद का समय सबसे खूबसूरत माना जाता है। उस समय टीलों के बीच नीले पानी के तालाब बन जाते हैं जो फोटोग्राफर्स के लिए स्वर्ग साबित होते हैं। लोग इन तालाबों में तैरते भी हैं। यह जगह सिर्फ देखने लायक नहीं बल्कि पर्यावरणीय रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। यहां का इकोसिस्टम बेहद संवेदनशील है। रेत के टीले लगातार अपनी जगह बदलते रहते हैं। हवा और पानी की गति पर निर्भर यह पूरा सिस्टम दिखाता है कि प्रकृति कितनी गतिशील है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ संरक्षण की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। स्थानीय प्रशासन पर्यटकों को निर्देश देता है कि वे प्लास्टिक ना फेंकें और निर्दिष्ट रास्तों पर ही चलें ताकि नाजुक इकोसिस्टम को नुकसान ना पहुंचे।

एक राष्ट्र एक चुनाव व परिसीमन विधेयक पर छिड़ेगी रार

विपक्ष भी एकबार फिर पटखनी देने को तैयार

» 29 के लोकसभा चुनावों से पहले विवादित विधेयक लाने को सरकार कर रही विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकराष्ट्र एक चुनाव व परिसीमन विधेयक का जिन्न एकबार फिर बोतल से बाहर आने वाला है। केंद्र सरकार 29 के लोकसभा चुनावों से पहले विवादित परिसीमन विधेयक और एक राष्ट्र एक चुनाव प्रस्ताव को फिर से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है, जबकि हाल में ही संसद में परिसीमन विधेयक पर उसे करारी हार का सामना करना पड़ा है। असम और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की चुनावी जीत के बाद, खबरें बताती हैं कि केंद्र एक बार फिर संसद के माध्यम से इस कानून को पारित कराने की संभावना तलाश रहा है। उधर सियासी गलियारें में ये भी चर्चा है कि एकबार फिर विपक्ष इस पर सरकार को घेरेगा। सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्रालय विधेयक को दोबारा पेश करने की तैयारी में जुटा हुआ है।

सरकार 29 के लोकसभा चुनावों से पहले परिसीमन विधेयक और एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक दोनों के लिए संसदीय मंजूरी हासिल करने को उत्सुक है। यह मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है क्योंकि परिसीमन विधेयक को पारित कराने का सरकार का पिछला प्रयास संसद में अपेक्षित समर्थन हासिल करने में विफल रहा था। हाल ही में कई राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद राजनीतिक समीकरणों में काफी बदलाव आया है। चर्चा में रहने वाले प्रमुख घटनाक्रमों में से एक तमिलनाडु चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस-डीएमके गठबंधन के कथित रूप से टूटने की खबर है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने विधेयक के लिए व्यापक समर्थन जुटाने के प्रयास में डीएमके से संपर्क स्थापित करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। साथ ही, तृणमूल कांग्रेस के भीतर के घटनाक्रमों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि बड़ी संख्या में सांसद टीएमसी से अलग हो जाते हैं, तो इससे संसदीय समीकरण बदल सकता है।

पिछली बार परिसीमन विधेयक लोस में गिर गया था

पिछली बार जब परिसीमन विधेयक लोकसभा में पेश किया गया था, तब सरकार को इसे पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी। यानी इसके पक्ष में कम से कम 362 वोटों की जरूरत थी। हालांकि, विधेयक को केवल 298 सदस्यों का समर्थन मिला, जबकि 230 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया। परिणामस्वरूप, सरकार को पिछली बार जब परिसीमन विधेयक ावश्यक संख्या नहीं मिल पाई और विधेयक पारित नहीं हो सका।

इंडिया गठबंधन की पार्टियां 8 जून को करेंगी बैठक

इंडिया की पार्टियां 8 जून को विधानसभा चुनावों के बाद के राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करने के लिए बैठक कर सकती हैं, जिसमें तृणमूल कांग्रेस और डीएमके जैसी क्षेत्रीय पार्टियों को करारी हार का सामना करना पड़ा, जबकि कांग्रेस केरल में जीत हासिल करने में कामयाब रही। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब विपक्ष भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ एकजुट मोर्चा बनाने की योजना बना रहा है। भाजपा अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाना चाहती है, ऐसे समय में जब डीएमके के गठबंधन से बाहर निकलने और कांग्रेस द्वारा विजय के नेतृत्व वाली टीवीके का साथ देने के बाद भारतीय गठबंधन में दरारें दिखाई देने लगी।

राजनीतिक समीकरणों में काफी बदलाव

संघ के इशारे पर बन रहे आदिवासी कल्याण और वन अधिकार कानून : जयराम

» कांग्रेस नेता ने कहा-लोकतांत्रिक वैधानिक निकायों को कमजोर करने की साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 2 जून को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की भाजपा-नेतृत्व वाली राज्य सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रमुख आदिवासी कल्याण और वन अधिकार कानूनों को लागू करने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका को संस्थागत रूप देने के लिए विशेष कार्य बलों का गठन किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए रमेश ने दावा किया कि ओडिशा जल्द ही इसी तरह की संरचना बनाने वाला तीसरा राज्य बन जाएगा, जिसके बारे में उनका तर्क है कि यह लोकतांत्रिक वैधानिक निकायों को कमजोर करता है।

उन्होंने लिखा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकारों ने पंचायत अधिनियम, 1996 और वन अधिकार अधिनियम, 2006 के कार्यान्वयन में आरएसएस की भूमिका को संस्थागत रूप देने के लिए कार्य बल गठित किए हैं। ओडिशा जल्द ही ऐसा करने वाला तीसरा राज्य होगा। रमेश ने आरएसएस से संबद्ध अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम पर वैधानिक प्रावधानों को कमजोर करने, विशेष रूप से स्थानीय ग्राम परिषदों को दी गई विकेंद्रीकृत शक्तियों को कम करने की पहल का नेतृत्व करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये टास्क फोर्स संसद द्वारा पारित इन दोनों कानूनों के कार्यान्वयन की बुनियादी लोकतांत्रिक संरचना को कमजोर कर रहे हैं। आरएसएस से संबद्ध अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, ग्राम सभा की भूमिका से संबंधित प्रावधानों सहित वैधानिक प्रावधानों के इस दुरुपयोग के पीछे मुख्य प्रेरक शक्ति है। पीईएसए, 1996 और एफआरए, 2006 दोनों ही जन आंदोलनों से उत्पन्न हुए थे। इन कानूनों के मूल स्वरूप को, शाब्दिक और भावनात्मक दोनों रूप से, जानबूझकर ऐसे टास्क फोर्स द्वारा नष्ट किया जा रहा है, जिन पर कार्यकारी जिम्मेदारियां भी हैं।

वंचित भारतीयों का एक वर्ग बना रही है एसआईआर : ओवैसी

» एआईएमआईएम अध्यक्ष का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को केंद्र सरकार पर एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूचियों से कथित तौर पर बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने का तीखा हमला करते हुए चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया से अस्थायी रूप से वंचित भारतीयों का एक वर्ग बन सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में, ओवैसी ने आरोप लगाया कि केंद्र ने दस्तावेज आधारित सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूचियों से लगभग 6.5 करोड़ नाम पहले ही हटा दिए हैं।

उन्होंने दावा किया कि सरकार अब एक समिति के माध्यम से इस प्रक्रिया को संस्थागत रूप देने की कोशिश कर रही है जो इन नामों को हटाए जाने की जांच करेगी और कथित अवैध प्रवासियों की पहचान करने, उन्हें हिरासत में लेने और निर्वासित करने के लिए एक दीर्घकालिक तंत्र स्थापित करेगी। ओवैसी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले दस्तावेज़ आधारित एसआईआर लागू किया, जिसके तहत 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूचियों से लगभग 65 लाख नाम हटा दिए गए। अब सरकार चाहती है कि इन्हीं हटाए गए नामों का अध्ययन करने और अवैध प्रवासियों की पहचान, हिरासत और निर्वासन के लिए एक स्थायी व्यवस्था बनाने के लिए एक समिति गठित की जाए।

संसदीय समिति अनियमितताओं की करेगी जांच

» कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा- सीबीएसई ओएसएम सिस्टम पर छात्रों की चिंता जायज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम पर छात्रों की चिंताओं पर विचार करेगी। छात्र सार्थक सिद्धांत की प्रस्तुति के बाद, समिति मूल्यांकन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और संभावित निविदा अनियमितताओं की गहन जांच करेगी ताकि छात्र हित सुरक्षित रहें। शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को कहा कि समिति कक्षा 12 के छात्र सार्थक सिद्धांत द्वारा दी गई प्रस्तुति के बाद केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओएसएम प्रणाली को लेकर छात्रों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार करेगी।

समिति वर्तमान में सीबीएसई की कक्षा 12 की परीक्षाओं में ओएसएम प्रणाली के कार्यान्वयन के साथ-साथ मूल्यांकन प्रक्रियाओं और पारदर्शिता से संबंधित चिंताओं की जांच कर रही है। समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने पुष्टि की कि सिद्धांत ने समिति के समक्ष प्रस्तुति दी और समिति उठाए गए मुद्दों के साथ-साथ सीबीएसई द्वारा दिए गए जवाबों पर भी विचार करेगी। सिंह ने कहा कि सार्थक सिद्धांत ने अपनी प्रस्तुति दे दी है। सीबीएसई द्वारा दिए गए जवाबों पर निर्णय लेना समिति का काम है। छात्रों के कल्याण पर समिति के विशेष ध्यान को रेखांकित करते हुए सिंह ने कहा कि समिति के सदस्य उनके समक्ष रखे गए सभी सुझावों और चिंताओं की सावधानीपूर्वक जांच करेंगे।

समिति की प्रस्तुति हमेशा से छात्रों की समस्याओं पर केंद्रित रही है

उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मैं केवल इतना कह रहा हूं कि पूरी समिति चिंतित है और छात्रों के हित और उनकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए जो भी संभव होगा, उस पर विचार करेगी। समिति की प्रस्तुति हमेशा से छात्रों से संबंधित मुद्दों और उनकी समस्याओं पर केंद्रित रही है। इस समिति ने ठीक यही किया है। समिति की रिपोर्ट की समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि इस प्रक्रिया में एक मसौदा रिपोर्ट तैयार करना और उसे विचार-विमर्श के लिए समिति के समक्ष रखना शामिल होगा। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया यह है कि हमें एक मसौदा तैयार करना होगा, उस मसौदे का आधार समिति के समक्ष रखा जाएगा और फिर समिति को रिपोर्ट तैयार करनी होगी।

भारतीय टीम में नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त

» अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले बीसीसीआई का बड़ा दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले बड़ा दांव खेला है। बीसीसीआई ने साईराज बहुतुले को भारत की सीनियर पुरुष टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट छह जून से मुल्लांपुर में खेला जाएगा। भारत इस मैच में शुभमन गिल की अगुआई में खेलने उतरेगा। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, बीसीसीआई को यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि साईराज बहुतुले को भारतीय क्रिकेट टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है।

भारतीय टीम के साथ उनका पहला दौरा छह जून से मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट होगा। वह टेस्ट मैच के दौरान मानव सुथार और हर्ष दुबे जैसे नए खिलाड़ियों के साथ काम करेंगे। बहुतुले क्रिकेट करियर के बाद कई टीमों के कोच भी रहे हैं। उन्होंने विदर्भ, केरल, गुजरात और बंगाल के मुख्य कोच की भूमिका निभाई है। इतना ही नहीं बहुतुले आईपीएल की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के स्पिन गेंदबाजी कोच भी रह चुके हैं। बहुतुले 2022 में अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के गेंदबाजी कोच रहे हैं और 2024 संस्करण के दौरान भी वह कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। उन्होंने भारत ए और सीनियर पुरुष टीम में कई मौकों पर विशेषज्ञ गेंदबाजी कोच के तौर पर भी अपनी सेवाएं दी हैं। बहुतुले 2021 से 2024 तक बीसीसीआई के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के कोचिंग सेटअप के अहम सदस्य रहे हैं।

न्यूजीलैंड से पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम घोषित

लंदन। न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार से लॉर्ड्स में शुरू होने जा रहे पहले टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने 12 सदस्यीय टीम का एलान किया है, जिसमें अनकैप्ड बल्लेबाज एमिलियो गे और तेज गेंदबाज सोनी बेकर को शामिल किया है। इंग्लैंड बोर्ड ने कहा, डरहम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज एमिलियो गे और हैम्पशायर के तेज गेंदबाज सोनी बेकर, जिन्हें अभी तक टेस्ट कैप नहीं मिली है, इन्हें टीम में शामिल किया गया है। ससेक्स के सीमर ओली रॉबिन्सन फरवरी 2024 के बाद पहली बार इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। टीम में शामिल नए खिलाड़ी डरहम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज गे और हैम्पशायर के तेज गेंदबाज बेकर हैं, जबकि ससेक्स के ओली रॉबिन्सन फरवरी 2024 के बाद पहली बार टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। आर्चर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेलेंगे, जो लगातार छह महीने खेलने के बाद फिलहाल ब्रेक पर हैं। आर्चर अभी बारबाडोस में हैं और पहले टेस्ट मैच के बाद ही इंग्लैंड पहुंचेंगे।

समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे : डीके शिवकुमार

» मुख्यमंत्री की शपथ से पहले इमोशनल हुए उपमुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के सीएम पद का शपथ लेने से पहले भावुक कांग्रेस नेता डी. के. शिवकुमार ने कहा कि उनका मुख्यमंत्री पद तक पहुंचना कोई सपना नहीं, बल्कि सालों की मेहनत, समर्पण और संघर्ष का नतीजा है। उन्होंने कहा कि यह सफर आसान नहीं था और कई कठिन दौर से गुजरना पड़ा।

हालांकि इसमें समय लगा, लेकिन उनकी मेहनत और धैर्य रंग लाए। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ शिवकुमार की जीत नहीं है, बल्कि एक कांग्रेस कार्यकर्ता की जीत है, जिसने पार्टी के इतिहास और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा बनाए रखा। शिवकुमार ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कर्नाटक के लोग उन पर भरोसा बनाए रखेंगे। उनका लक्ष्य पूरी ईमानदारी और लगन के साथ काम करना है.,उन्होंने कहा कि वह राज्य को नई दिशा देना चाहते हैं, क्योंकि दुनिया भारत को बेंगलुरु और कर्नाटक के माध्यम से देखती है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे. किसानों, महिलाओं, युवाओं और सभी समुदायों के विकास पर ध्यान दिया जाएगा. उनके अनुसार कर्नाटक में एक नए युवा युग की शुरुआत करने का प्रयास किया जाएगा।

सिद्धारमैया कांग्रेस की वर्किंग कमेटी के सदस्य बने

कर्नाटक में डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री पद की शपथ से पहले राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने बड़ा फैसला लिया है। पूर्व सीएम सिद्धारमैया को कांग्रेस की वर्किंग कमेटी का सदस्य बनाया गया है. सीडब्ल्यूसी पार्टी के सबसे बड़े फैसले लेने वाली बॉडी है। बता दें कि बुधवार यानी आज शाम करीब चार बजे डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सिद्धारमैया को तुरंत प्रभाव से सीडब्ल्सूसी का सदस्य नियुक्त किया है।

शिवकुमार ने गांधी परिवार के प्रति अपनी निष्ठा का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने थिएटर का नाम इंदिरा गांधी की मृत्यु वाले दिन उनके नाम पर रखा था. उन्होंने कहा कि गांधी परिवार के साथ उनका रिश्ता विश्वास और प्रतिबद्धता का रहा है. परिवार ने उन पर भरोसा किया और उन्हें कई अवसर दिए, इसलिए उनके प्रति वफादार रहना वह अपना कर्तव्य मानते हैं। शिवकुमार ने कहा कि सोनिया गांधी प्रधानमंत्री बन सकती थीं, लेकिन उन्होंने पद स्वीकार नहीं किया। इसी तरह राहुल गांधी भी प्रधानमंत्री बन सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

महायुति में फिर सियासी बवाल

» शिवसेना (शिंदे गुट) का भाजपा पर तीखा प्रहार

» अब्दुल सत्तार बोले- हमारी पार्टी को सुनियोजित तरीके से खत्म करना चाहती है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर सियासी बवाल थम नहीं रहा है। शिवसेना (शिंदे गुट) के अब्दुल सत्तार ने भाजपा पर अपनी पार्टी को सुनियोजित तरीके से खत्म करने का आरोप लगाया और शिवसेना के दोनों गुटों के पुनर्मिलन का आह्वान किया। हालांकि, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इन अटकलों को खारिज करते हुए दावा किया कि केवल उनकी पार्टी ही बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को आगे बढ़ा रही है और उसे जनता का जनादेश प्राप्त है।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के वरिष्ठ नेता अब्दुल सत्तार ने गठबंधन सहयोगी भाजपा पर अपनी पार्टी को सुनियोजित तरीके से खत्म करने का आरोप लगाया।

आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर बढ़ते तनाव के मद्देनजर, सत्तार ने महाराष्ट्र में शिवसेना के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों के पुनर्मिलन पर विचार करने की आवश्यकता पर बल दिया। सत्तार ने छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से कहा कि हमारी अपनी सहयोगी (भाजपा) शिवसेना का 'सिर कलम' करने की कोशिश कर रही है।

भाजपा ने पहले ही हमारे हाथ-पैर तोड़ दिए हैं और अब हमारा सिर काटने की कोशिश कर रही है। उनके बेटे समीर सत्तार इसी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे थे, लेकिन भाजपा ने उनकी जगह अपना उम्मीदवार सुहास शिरसात मैदान में उतारा। इसके बाद समीर सत्तार ने बागी उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया।

शिंदे ने शिवसेना गुटों के बीच सुलह की अटकलों को किया खारिज

वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुटों के बीच संभावित सुलह की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि केवल उनकी पार्टी ही शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की विचारधारा को आगे बढ़ा रही है और उसे जनता का जनादेश प्राप्त है। शिवसेना मंत्री अब्दुल सत्तार द्वारा दोनों गुटों के एक साथ आने की संभावना पर की गई टिप्पणियों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए शिंदे ने सीधे तौर पर कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हम हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे के विचारों को आगे बढ़ा रहे हैं। हमने एक ऐसी सरकार बनाई है जो महाराष्ट्र के आम लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाती है। शिंदे ने कहा कि मतदाताओं ने उनके नेतृत्व वाली शिवसेना, उसके धनुष-बाण चिन्ह और बाल ठाकरे तथा दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे की विरासत का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने शिवसेना, धनुष-बाण के चिन्ह, बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा और धर्मवीर आनंद दिघे के विचारों को आशीर्वाद दिया है। हमारी विजय यात्रा भविष्य में भी जारी रहेगी। उपमुख्यमंत्री महायुति पार्टी के उम्मीदवार रविंद्र फाटक द्वारा ठाणे-पालघर स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद बोल रहे थे।

शिवसेना का कब्जे वालीं सीटों पर बीजेपी की नजर

भाजपा उन सीटों पर अपना दावा जता रही है जिन पर ऐतिहासिक रूप से शिवसेना का कब्जा रहा है। सत्तार ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनाने के लिए किए गए राजनीतिक समझौतों को जल्दी भूल गई है। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में विराजमान देवी कामाख्या हमारे बलिदानों को जानती हैं, लेकिन भाजपा उन्हें भूल चुकी है। इसके बजाय, वे सक्रिय रूप से हमारी पार्टी के भीतर फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। सत्तार, जो पिछली शिंदे-भाजपा सरकार में एकमात्र मुस्लिम चेहरा थे, ने अफसोस जताया कि भाजपा नेताओं की ताकत बढ़ती जा रही है, जबकि शिवसेना की संरचनात्मक कमजोरी बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि शिवसेना जिला परिषद और नगर निगम में सत्ता में थी। अब हम वहां पूरी तरह से बेबस हैं।

कुवैत के हवाई अड्डे पर ईरानी ड्रोन हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुवैत सिटी। ईरान ने बुधवार को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कई मिसाइलें और ड्रोन हमले किए। इन हमलों में कुवैत के हवाई अड्डे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। कुवैत ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि देश के हवाई अड्डे पर एक ईरानी ड्रोन हमले के बाद वाणिज्यिक उड़ानों को निलंबित कर दिया है। इस हमले में कई लोग घायल हुए हैं।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने बताया कि दुश्मनों के कई ड्रोनों ने कुवैत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की यात्री इमारत को निशाना बनाया है। इस हमले में इमारत को गंभीर नुकसान पहुंचा और कई व्यक्तियों को चोटें आई हैं। यह ड्रोन हमला ईरान और अमेरिका के बीच मंगलवार देर रात हुए मिसाइल हमलों के बाद हुआ। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने ईरान द्वारा कुवैत और बहरीन पर दागी गई मिसाइलों के जवाब में केश्म द्वीप पर एक ईरानी सैन्य सुविधा पर हमले किए थे। हालांकि, अमेरिका ने दावा किया कि उसकी सेना ने क्षेत्र के पड़ोसी देशों को निशाना बनाने वाले ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों की एक श्रृंखला को नाकाम कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप फिर देंगे भारत को आर्थिक चोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वॉशिंगटन। अमेरिका एक बार फिर भारत के खिलाफ टैरिफ बम फोड़ने की तैयारी कर रहा है। दरअसल अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने एक ऐसा प्रस्ताव दिया है, जिसमें भारत समेत 60 देशों पर टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। अमेरिका एक तरफ भारत के साथ संबंध बेहतर करने की दुहाई दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन भारत के खिलाफ कार्रवाई से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल अमेरिकी सरकार एक बार फिर भारत पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रही है।

अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि यूएसटीआर ने भारत समेत 60 देशों पर ये नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। टैरिफ लगाने की वजह ये बताई गई है कि भारत समेत 60 देश जबरन श्रम से उत्पादित वस्तुओं के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी व्यापार कानून 1974 की धारा 301 के तहत पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव बढ़ाती हैं और अमेरिकी व्यापार को बाधित करती हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय, अमेरिका की एक कार्यकारी संघीय एजेंसी है, जो अमेरिका की विदेश व्यापार नीति बनाने के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, भारत समेत 54 देश उन सामानों के निर्यात पर जरूरी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिन्हें जबरन श्रम द्वारा बनाया जाता है। भारत के अलावा इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं।

भाजपा के अन्याय से लड़ूंगी या मर जाऊंगी : ममता

» टीएमसी प्रमुख का भाजपा पर हमला जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को मध्य कोलकाता में भाजपा की हालिया विधानसभा चुनावों में जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं पर कथित हमलों के विरोध में एक दिवसीय धरना शुरू किया। कोलकाता पुलिस द्वारा रानी रश्मोनी रोड पर विरोध प्रदर्शन करने की टीएमसी की अपील को ठुकराए जाने के बाद वह एस्प्लेनेड के वाई-चैनल स्थित धरना स्थल पर पहुंचीं। बनर्जी ने मेगाफोन से भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि हमें मंच लगाने या माइक्रोफोन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी गई।

पूर्व मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं द्वारा नारे लगाने से विरोध प्रदर्शन में अफरा-तफरी मच गई। ममता ने कोलकाता में कहा कि भाजपा ने बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने के लिए 294 में से 177 सीटों पर मतगणना में धांधली की। उन्होंने दावा किया कि पुलिस टीएमसी कार्यकर्ताओं को प्रदर्शनों में भाग न लेने की धमकी दे रही है, मैं विरोध प्रदर्शन जारी रखूंगा। ममता ने कोलकाता में कहा कि पुनर्वास के बिना फेरीवालों को बेदखल करना टीएमसी सरकार की नीति नहीं थी, हमने मानवीय दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने कहा कि मैं इन कठिन समय में टीएमसी कार्यकर्ताओं का साथ नहीं छोड़ूंगी। टीएमसी टिकट पर विधानसभा सीटें जीतने वाले अधिकांश नए चेहरे अनुपस्थित थे, वहीं बनर्जी के साथ पार्टी के पुराने नेता फिरहाद हकीम, मदन मित्रा, डेरेक ओब्रायन, कल्याण बनर्जी और डोला सेन नजर आए। हालांकि, पार्टी प्रमुख ने जोर देकर कहा कि उनके भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर शनिवार को हुए हमले, चुनाव के बाद कथित हिंसा और फेरीवालों को बेदखल करने के विरोध में धरना निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तक जारी रहेगा।

जिन्हें मैंने सहारा दिया वे अब गद्दार के साथ मिल रहे हैं

ममता ने शुभेंदु अधिकारी की ओर इशारा करते हुए कहा कि मुझे इस बात का अफसोस है कि जिन लोगों को मैंने जीवन में सहारा दिया, वे अब गद्दार के साथ मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा विरोधी दल देशव्यापी कार्ययोजना पर निर्णय लेने के लिए दिल्ली में बैठक करेंगे। धरने वाली जगह पर उसने नारे लगाए,मैं लड़ूंगी या मर जाऊंगी। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि निजी स्वार्थों के लिए पार्टी से नेताओं के अलग होने से संगठन के पुनर्निर्माण में मदद मिलेगी और टीएमसी इस संकट से और भी मजबूत होकर उभरेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि लोग क्यों डरे हुए हैं? लोग क्यों चिंतित हैं? पूरा माहौल ही बदल गया है। कोलकाता और बंगाल को गुंडों के हवाले कर दिया गया है।

बागी ऋतब्रत और संदीपन विस पहुंचे, 59 विधायकों के समर्थन का दावा

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पर फूट का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि निष्कासित टीएमसी विधायक ऋतब्रता बनर्जी और संदीपान साहा पश्चिम बंगाल विधानसभा पहुंच गए हैं और कम से कम 59 साथी पार्टी विधायकों के समर्थन का दावा कर रहे हैं। सूत्रों ने एक निजी मीडिया से बात करते हुए बताया कि बागी गुट ऋतब्रता बनर्जी को विपक्ष के नए नेता (एलओपी) के रूप में पेश कर रहा है। हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद टीएमसी के पास कुल 80 विधायक रह गए थे। 59 विधायकों के समर्थन से ऋतब्रता बनर्जी और संदीपान साहा दलबदल विरोधी कानून से बच जाएंगे, जिससे संभवतः वे टीएमसी का नाम और चिन्ह बरकरार रख सकेंगे। सूत्रों के अनुसार, बागी गुट अध्यक्ष को पत्र सौंपने वाला है जिसमें दावा किया जाएगा कि उसे पार्टी के दो-तिहाई से अधिक विधायकों का समर्थन प्राप्त है। विधानसभा में पार्टी के 80 विधायक हैं, इसलिए दो-तिहाई का आंकड़ा 54 विधायकों का है। सूत्रों ने आगे बताया कि नई पार्टी बनाने की कोई योजना नहीं है। विधानसभा के अंदर बागी विधायकों की बैठक चल रही है और अध्यक्ष भी वहां पहुंच चुके हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रितब्रता का नाम उजागर करने और यह कहने के ठीक 15 मिनट बाद कि अध्यक्ष को बागी नेता से औपचारिक शिकायत मिली है, पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी द्वारा निष्कासित किए गए दो विधायकों में रितब्रता भी शामिल हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार** : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष** : 0522- 4078371 | **Email** : daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**